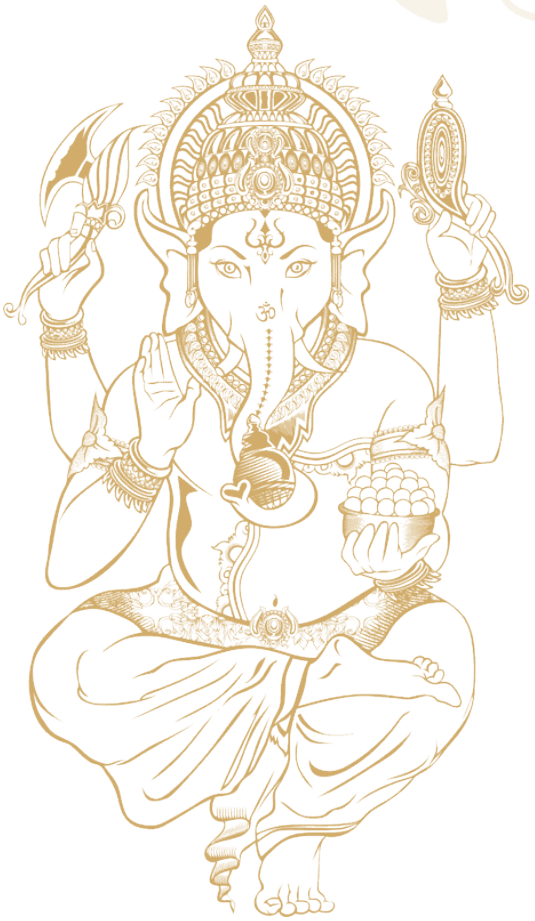

Mr.

20 Nov 2025

06:06 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120253807

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
20/11/2025	जन्म तिथि	**20/11/2025**
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 18:06:00	जन्म समय	18:06:00 घंटे
घटी 28:14:48	जन्म समय(घटी)	28:14:48 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:04	सूर्योदय	06:48:04
17:25:30	सूर्यास्त	17:25:30
24:13:10	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:10

वृष	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अनुराधा	नक्षत्र	अनुराधा
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	2
अतिगण्ड	योग	अतिगण्ड
किंस्तुघ्न	करण	किंस्तुघ्न
नी-नीरज	जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	कीटक
मृग	योनि	मृग
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	सर्प
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रोहिणी	2	16:08:47	वृष			लग्न			वृष	16:08:47	2	रोहिणी
अनुराधा	1	04:13:25	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	04:13:25	1	अनुराधा
अनुराधा	2	06:51:15	वृश्चि			चंद्र			वृश्चि	06:51:15	2	अनुराधा
ज्येष्ठा	1	17:21:20	वृश्चि		अ	मंगल		अ	वृश्चि	17:21:20	1	ज्येष्ठा
अनुराधा	1	03:54:22	वृश्चि	व	अ	बुध	व	अ	वृश्चि	03:54:22	1	अनुराधा
पुनर्वसु	4	00:48:09	कर्क	व		गुरु	व		कर्क	00:48:09	4	पुनर्वसु
विशाखा	1	22:48:51	तुला			शुक्र			तुला	22:48:51	1	विशाखा
पू०भाद्रपद	4	00:59:24	मीन	व		शनि	व		मीन	00:59:24	4	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	1	21:09:35	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	21:09:35	1	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	3	21:09:35	सिंह	व		केतु	व		सिंह	21:09:35	3	पू०फाल्गुनी
कृतिका	3	05:16:03	वृष	व		मु			वृष	16:08:47	2	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

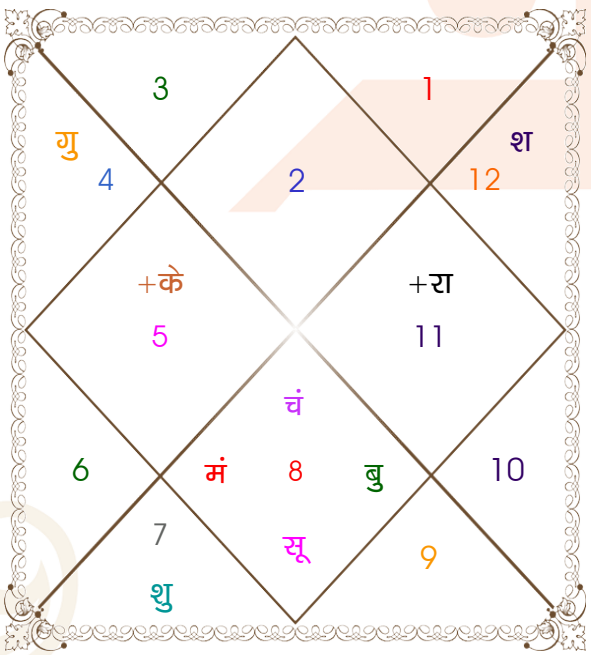

वर्ष लग्न कुंडली

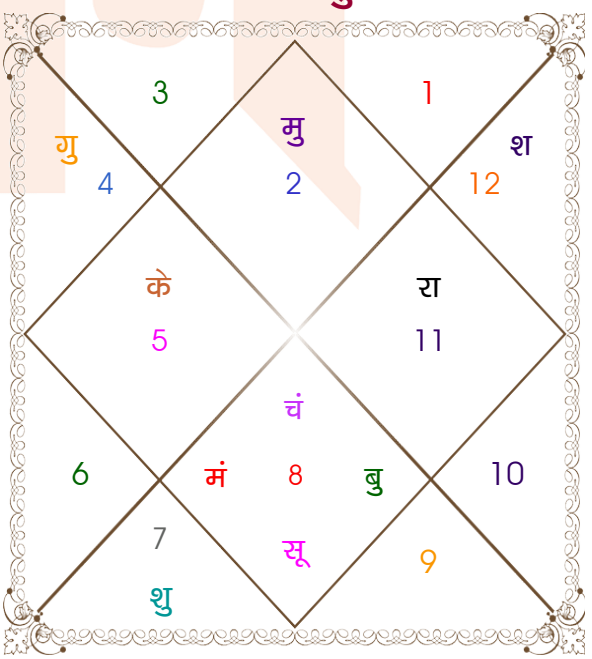

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - गुरु		शनि - बुध - शनि		शनि - केतु - केतु		शनि - केतु - शुक्र	
20/11/2025 18:06		22/02/2026 11:07		28/07/2026 03:01		20/08/2026 17:46	
22/02/2026 11:07		28/07/2026 03:01		20/08/2026 17:46		27/10/2026 05:02	
	20/11/2025 18:06	शनि	19/03/2026 02:38	केतु	29/07/2026 12:04	शुक्र	31/08/2026 23:38
शनि	21/11/2025 14:41	बुध	10/04/2026 03:53	शुक्र	02/08/2026 10:32	सूर्य	04/09/2026 08:36
बुध	10/12/2025 04:22	केतु	19/04/2026 05:49	सूर्य	03/08/2026 14:52	चंद्र	09/09/2026 23:33
केतु	17/12/2025 19:53	शुक्र	15/05/2026 04:28	चंद्र	05/08/2026 14:06	मंगल	13/09/2026 22:00
शुक्र	08/01/2026 16:14	सूर्य	22/05/2026 23:15	मंगल	06/08/2026 23:10	राहु	24/09/2026 00:54
सूर्य	15/01/2026 05:32	चंद्र	04/06/2026 22:35	राहु	10/08/2026 12:10	गुरु	03/10/2026 00:48
चंद्र	26/01/2026 03:42	मंगल	14/06/2026 00:31	गुरु	13/08/2026 15:44	शनि	13/10/2026 17:11
मंगल	02/02/2026 19:13	राहु	07/07/2026 08:54	शनि	17/08/2026 09:28	बुध	23/10/2026 06:35
राहु	22/02/2026 11:07	गुरु	28/07/2026 03:01	बुध	20/08/2026 17:46	केतु	27/10/2026 05:02

शनि - केतु - सूर्य		शनि - केतु - चंद्र		शनि - केतु - मंगल		शनि - केतु - राहु	
27/10/2026 05:02		16/11/2026 10:49		20/12/2026 04:27		12/01/2027 19:12	
16/11/2026 10:49		20/12/2026 04:27		12/01/2027 19:12		14/03/2027 12:33	
सूर्य	28/10/2026 05:19	चंद्र	19/11/2026 06:17	मंगल	21/12/2026 13:31	राहु	21/01/2027 21:48
चंद्र	29/10/2026 21:48	मंगल	21/11/2026 05:31	राहु	25/12/2026 02:32	गुरु	30/01/2027 00:07
मंगल	31/10/2026 02:09	राहु	26/11/2026 06:58	गुरु	28/12/2026 06:06	शनि	08/02/2027 14:52
राहु	03/11/2026 03:01	गुरु	30/11/2026 18:55	शनि	31/12/2026 23:50	बुध	17/02/2027 05:19
गुरु	05/11/2026 19:47	शनि	06/12/2026 03:06	बुध	04/01/2027 08:07	केतु	20/02/2027 18:20
शनि	09/11/2026 00:42	बुध	10/12/2026 21:48	केतु	05/01/2027 17:11	शुक्र	02/03/2027 21:13
बुध	11/11/2026 21:31	केतु	12/12/2026 21:02	शुक्र	09/01/2027 15:38	सूर्य	05/03/2027 22:06
केतु	13/11/2026 01:51	शुक्र	18/12/2026 11:58	सूर्य	10/01/2027 19:58	चंद्र	10/03/2027 23:32
शुक्र	16/11/2026 10:49	सूर्य	20/12/2026 04:27	चंद्र	12/01/2027 19:12	मंगल	14/03/2027 12:33

शनि - केतु - गुरु		शनि - केतु - शनि		शनि - केतु - बुध		शनि - शुक्र - शुक्र	
14/03/2027 12:33		07/05/2027 11:58		10/07/2027 14:17		05/09/2027 22:40	
07/05/2027 11:58		10/07/2027 14:17		05/09/2027 22:40		16/03/2028 17:10	
गुरु	21/03/2027 17:16	शनि	17/05/2027 15:32	बुध	18/07/2027 17:16	शुक्र	08/10/2027 01:45
शनि	30/03/2027 06:23	बुध	26/05/2027 17:28	केतु	22/07/2027 01:33	सूर्य	17/10/2027 17:04
बुध	06/04/2027 21:54	केतु	30/05/2027 11:12	शुक्र	31/07/2027 14:57	चंद्र	02/11/2027 18:37
केतु	10/04/2027 01:28	शुक्र	10/06/2027 03:35	सूर्य	03/08/2027 11:46	मंगल	14/11/2027 00:30
शुक्र	19/04/2027 01:22	सूर्य	13/06/2027 08:30	चंद्र	08/08/2027 06:28	राहु	12/12/2027 22:28
सूर्य	21/04/2027 18:08	चंद्र	18/06/2027 16:41	मंगल	11/08/2027 14:46	गुरु	07/01/2028 15:20
चंद्र	26/04/2027 06:05	मंगल	22/06/2027 10:26	राहु	20/08/2027 05:13	शनि	07/02/2028 03:52
मंगल	29/04/2027 09:39	राहु	02/07/2027 01:10	गुरु	27/08/2027 20:44	बुध	05/03/2028 11:17
राहु	07/05/2027 11:58	गुरु	10/07/2027 14:17	शनि	05/09/2027 22:40	केतु	16/03/2028 17:10

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।